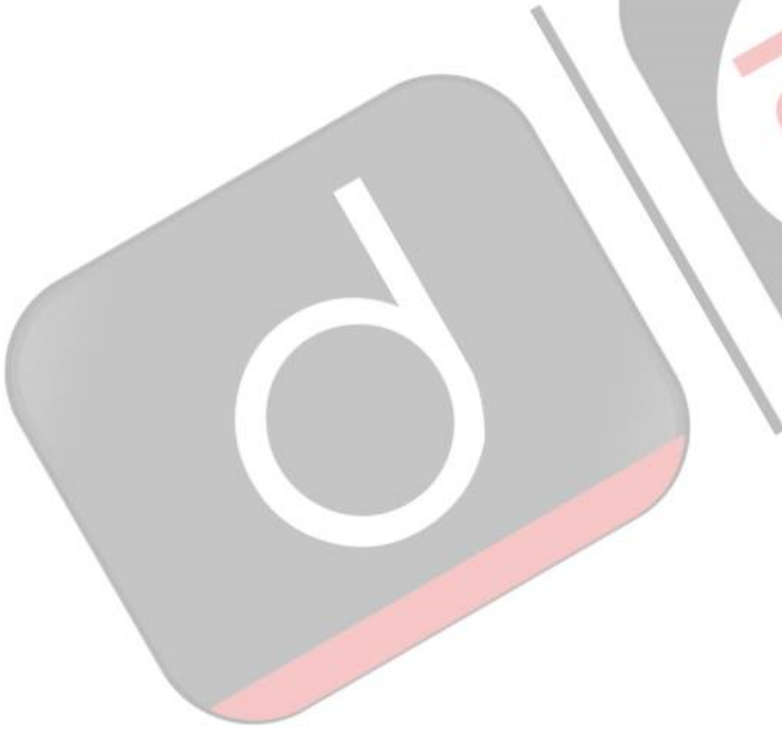


कंदुकुरी वीरेसलगिम

16 अप्रैल को प्रमुख सुधारक कंदुकुरी वीरेसलगिम की जयंती मनाई गई।

■ **कंदुकुरी वीरेसलगिम (16 अप्रैल, 1848 - 27 मई, 1919) :**

- वह ब्रिटिश भारत के मद्रास प्रेसीडेंसी में एक **समाज सुधारक** और **लेखक** थे। वे **ब्रह्म समाज** के आदर्शों से प्रभावित थे।
- उन्हें **तेलुगू पुनर्जागरण आंदोलन का जनक** माना जाता है।
- वह प्रारंभिक **समाज सुधारकों में से एक** थे जिन्होंने महिलाओं की शिक्षा और **वधवाओं को पुनर्विवाह** के लिये प्रोत्साहित किया (जिसका तत्कालीन समाज में समर्थन नहीं किया जाता था)।
- उन्होंने **बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी**।
- उन्होंने **1874 में दोलाईस्वरम में एक स्कूल शुरू किया**।
- उन्होंने 1887 में **'ब्रह्म मंदिर'** का निर्माण कराया और 1908 में **आंध्र प्रदेश** में **'हितिकारिणी स्कूल'** का निर्माण कराया।
- उनका उपन्यास राजशेखर चरतिरमु **तेलुगू साहित्य का पहला उपन्यास** माना जाता है।





—★—
Kandukuri Veeresalingam

16 April 1848 – 27 May 1919

—★—
Father of the Telugu Renaissance Movement

और पढ़ें: [सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन: भाग I](#), [सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन: भाग II](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kandukuri-veeresalingam>